Raj Express (Indore), 3rd September 2023, P – 04

स्टूडेंट्स की गतिशीलता को देंगे बढ़ावा

आईआईटी ने किया एमओयू

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने शैक्षणिक सहयोग, शैक्षिक अवसरों और स्टूडेंट्स की गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार विभाग के साथ एक एमओयू किया है। कार्यक्रम विद्या समागम, यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राजीव गांधी प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल सहित सभी सरकारी (स्वायत्त) इंजीनियरिंग कॉलेजों के स्टूडेंट्स को अपना बी.टेक प्रोजेक्ट पूरा करने का और आईआईटी इंदौर के स्टूडेंट्स के साथ उन्नत पाठ्यक्रमों का अध्ययन का अवसर प्रदान करता है। स्टूडेंट्स को अत्याधुनिक अनुसंधान में आईआईटी इंदौर के संकायों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा, जो उन्हें उन्नत अनुसंधान प्रयोगशालाओं में काम करने का अवसर प्रदान करेगा। एमओयू पर प्रो. सुहास जोशी, निदेशक, आईआईटी इंदौर और मनु श्रीवास्तव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, म.प्र. सरकार ने हस्ताक्षर किए। एमओयू 5 साल के लिए वैध है।

एनईपी के अनुसार है एमओयू

एमओयू शैक्षणिक गतिविधियों में लचीलापन और अनुकूलन प्रदान करता है, जो एनईपी 2020 के अनुसार है। यह स्टूडेंट्स को दोनों संस्थानों से उन पाठ्यक्रमों का चयन करके अपनी शिक्षा को अनुकूलित करने की अनुमति देता है जो उनके शैक्षणिक और करियर लक्ष्यों के अनुरूप हैं। यह लचीलापन अंतः विषय शिक्षा, अंतर-संस्थागत सहयोग और एक सर्वांगीण शिक्षा के विकास को बढ़ावा देता है।

7वें सेमेस्टर से शुरू कर देंगे ऑनलाइन मोड में काम करना

प्रोफेसर जोशी ने कहा प्री-फायनल इयर में पढ़ने वाले, सिविल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग या इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, मेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग और धातुकर्म में एजीएईसी के मेधावी बी.टेक स्टूडेंट्स, जिनका कोई पिछले सेमेस्टर से बैकलॉग नहीं है, इससे उन्हें लाभ होगा। हमारी एक चयन प्रक्रिया होगी, जिसमें आईआईटी इंदौर द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा और/या पर्सनल इंटरव्यू शामिल होगा। इस कार्यक्रम के लिए चयनित स्टूडेंट्स 7वें सेमेस्टर से ऑनलाइन मोड में अपने प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू कर देंगे। स्टूडेंट मार्गदर्शन और प्रोजेक्ट कार्य के लिए छुट्टियों के दौरान आईआईटी इंदौर जा सकते हैं। वे आठवें सेमेस्टर में आईआईटी इंदौर में शामिल होंगे और अपना प्रोजेक्ट पूरा करेंगे और एजीएईसी की आवश्यकता के अनुसार वैकल्पिक पाठ्यक्रमों का अध्ययन करेंगे। अध्ययन किए गए प्रोजेक्टों और पाठ्यक्रमों के लिए स्टूडेंट्स का मूल्यांकन आईआईटी इंदौर की शैक्षणिक नीति के अनुसार किया जाएगा।